'विश्व गौरैया दिवस'

अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों के क्रम में आज दिनांक 20.03.2024 को 'विश्व गौरैया दिवस' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. संदीप कुमार ने इस दिवस की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुये छात्रों को यह बताया कि गौरैया पर मंडरा रहे खतरे के कारण ही सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद मोहम्मद ई दिलावर जैसे लोगों के प्रयासों से आज दुनिया भर में 20 मार्च को 'विश्व गौरैया दिवस' मानाया जाता है, ताकि लोग इस पक्षी के संरक्षण के प्रति जागरूक हो सकें। साथ ही यह फसल संरक्षण के दृष्टिकोण से भी इसकी आवश्यकता है, गौरेया हमारी फसलों को भी कीड़ों से बचाती है। अर्थशास्त्र परिषद के प्रभारी डॉ. राजू गुप्ता ने बताया कि गौरैया को वापस बुलाने के लिए अपने घर की छत पर दाना, पानी रखें और घर के आस-पास पेड़-पौधे लगाएं, क्योंकि यही गौरैया का प्राकृतिक परिवेश है। गौरैया को बचाने के लिए आप मार्केट में बने आर्टिफीशियल घोंसले भी लाकर घर की छत पर रख सकते हैं। वर्तमान समय में जैव- विविधता में हो रहें ह्रास के कारण गौरैया को संरक्षित करना आज बहुत ही आवश्यक है। अर्थशास्त्र विभाग द्वारा वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों के क्रम में विभाग के गार्डेन में वर्षो से गौरैया तथा अन्य वन्यजीवों हेतु दाना-पानी की व्यवस्था अनवरत् रूप से कर रहा है। इस अवसर पर वरिष्ठ आचार्य प्रोफेसर के. आर. त्रिपाठी तथा प्रोफेसर ए.के. गोयल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर डॉ. अमित कुमार शर्मा, डॉ. सुरेंद्र कुमार गुप्ता, डॉ. वन्दना अहिरवार तथा समस्त शोध छात्र तथा विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीश कुमार द्वारा किया गया।

A Discussion
on
World Sparrow Day, 20 March 2024
Department of Economics
D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur.